सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 89 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 4 मई, 2023

मूल्य ₹ 3/-

जो समय बचाते हैं, वे धन बचाते हैं और बचाया हुआ धन, कमाएं हुए धन के बराबर है।

-महात्मा गाँधी

ठग शैरपुरिया की डायरी खोलेगी... 8 | संकट मोचक नाम तिहारो...अब... 3 | नफरत फैलाने वालों पर सख्ती... 7

शर्मसार-कहां है मोदी सरकार

धरना दे रहे पहलवानों से पुलिस ने की मारपीट

» प्रधानमंत्री की चुप्पी पर विपक्ष ने उठाया सवाल

» खिलाड़ियों ने कहा, नहीं मिला न्याय तो लौटा देंगे मेडल

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की बात करने वाली मोदी सरकार के नाक नीचे दिल्ली के जंतर-मंतर में अपने को न्याय दिलाने की मांग को लेकर धरना दे रहे महिला पहलवानों के साथ दिल्ली पुलिस से अभद्रता की हदे पार कर दी। ज्यादती ऐसी कि खिलाड़ियों के साथ मारपीट की गई। पुलिस के साथ झड़प में एक पहलवान को चोट भी आई। हालांकि पुलिस अपना बचाव किया है। वहीं इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपनी सुनवाई में कहा कि आरोपी याचिकर्ता हाईकोर्ट में अपील करें। वहीं विपक्ष ने मोदी सरकार को घेरते हुए कहा कि इस मामले में पीएम व गृहमंत्री हस्तक्षेप करें। उधर पहलवानों ने कहा है कि अगर उन्हे न्याय नही मिला तो वी अपना मेडल वापस कर देंगे।

जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। जहां पहलवान विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं उस जगह के चारों ओर अवरोधक लगाए गए हैं और किसी को भी अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है। पहलवानों के किसानों और उनके नेताओं को प्रदर्शन स्थल पर बृहस्पतिवार सुबह इकट्ठा होने के आह्वान के बाद सुरक्षा बढ़ाई गई है। एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि पुलिस शहर की सीमाओं पर वाहनों की जांच कर रही है ताकि जंतर-मंतर पर भीड़ इकट्ठी नहीं हो, जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी पहलवानों और पुलिस के कुछ कर्मियों के बीच कथित तौर पर हाथापाई हो गई, जिससे कुछ प्रदर्शनकारियों के सिर में चोटें आई।

पुलिसकर्मी शराब के नशे में थे

सोशल मीडिया पर दिख रहे कुछ वीडियो में प्रदर्शनकारी पहलवानों को यह आरोप लगाते सुना जा सकता है कि पुलिसकर्मी शराब के नशे में दो पहलवानों की पिटाई कर रहे हैं। वीडियो में पुलिसकर्मियों को बैठे हुए देखा जा सकता है। दिल्ली पुलिस की तरफ से कहा गया है कि आम आदमी पार्टी विधायक सोमनाथ भारती फोल्डिंग बेड्स लेकर आये थे, जबकि इसकी इजाजत नहीं थी, जब रोका गया तो समर्थक ट्रक से बेड्स निकालने को लेकर आक्रामक हो गए. हालांकि, पहलवानों ने कहा है कि उन्होंने सोमनाथ भारती से फोल्डिंग बेड्स नहीं मंगाई थी।

बेड लगवाने को लेकर हुई झड़प

पुलिस की दलील है कि बिना इजाजत धरने की जगह बेड लगवा रहे थे, इसके बाद पूरा विवाद खड़ा हुआ। देश की राजधानी दिल्ली में पिछले 12 दिनों से प्रदर्शन कर रहे पहलवानों और पुलिस में झड़प हो गई और जिस तरह की तस्वीरें सामने आ रही है, वो सीधे तौर पर दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े कर रही हैं। पहलवानों का कहना है कि बारिश में उनके बिस्तर भी भीग गए थे, जिसके चलते उन्होंने फोल्डिंग बेड मंगवाए थे, जिन्हें लेकर पुलिस ने उन्हें रोका। पुलिस और पहलवानों के बीच बीती रात को हुए हंगामे की कई तस्वीरें सामने आई हैं. विनेश फोगाट का आरोप है कि पुलिसवालों ने और महिला पहलवानों के साथ गाली-गलौज की है, मारपीट भी की। उन्होंने ये भी आरोप लगाए कि देर रात को कोई महिला पुलिस वहां ड्यूटी पर नहीं थी।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट जाने का दिया निर्देश

पहलवानों की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने मामले पर सुनवाई की। कोर्ट में दिल्ली पुलिस एफआईआर का स्टेटस बताना था। बृजभूषण की ओर से हरीश साल्वे दलीलें पेश कर रहे थे, जबकि दिल्ली पुलिस की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता दलीलें दे रहे थे। मामले पर हरीश साल्वे ने कहा कि ये पूरा मामला पॉलिटिकल है। कोई भी आदेश से पहले बृजभूषण का पक्ष सुना जाए। वहीं, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा सभी शिकायकर्ताओं को कोई खतरा नहीं है। हम शिकायत की जांच कर रहे हैं।

हुड्डा व मालीवाल हिरासत में

पहलवानों का समर्थन करने राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र हुड्डा और दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। बता दें कि पहलवान 23 अप्रैल से जंतर-मंतर पर धरना दे रहे हैं। उन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं, जो उत्तर प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद भी हैं. दिल्ली पुलिस ने उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कर ली है और जांच जारी है।

बूथ कैप्चरिंग व झड़प के बीच शहरी सरकार चुनने निकले लोग

» नगर निकाय चुनाव में वोटिंग जारी

» बसपा और भाजपा समर्थकों में मारपीट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निकाय चुनाव के पहले चरण में आज 37 जिलों में वोट डाले जा रहे हैं। इस चरण में कुल 7592 पदों के लिए चुनावी रण में उतरे 44226 उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम और मतपेटिकाओं में बंद होगा। मतदान जारी है। बूथों पर सुबह से ही मतदाताओं की लाइनें लगीं हैं।

पहले चरण में गुरुवार को सहारनपुर, मुरादाबाद, आगरा, झांसी, प्रयागराज, लखनऊ, देवीपाटन, गोरखपुर और वाराणसी मंडल के 37 जिलों के 2.40 करोड़ से अधिक मतदाता अपने मत का प्रयोग कर सकेंगे। वहीं हरदोई में चुनाव के संवेदनशील बूथ संख्या तीन में बसपा के बस्ते पर फर्जी वोट डलवाने को लेकर बसपा और भाजपा समर्थको में कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। मौके पर थानाध्यक्ष राजदेव मिश्रा और अर्धसैनिक बल पहुंचने से मांमला शांत हो गया। वहीं एसडीएम बिलग्राम नारायण थारू ने घटना की जांच की। वहीं बूथ के बाहर बसपा और भाजपा के बीच गाली गलौज हुई। नगर पालिका परिषद देवरिया के वार्ड संख्या 23 राघव नगर पश्चिमी की निर्दल सभासद प्रत्याशी के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। यह कार्रवाई सेक्टर मजिस्ट्रेट डॉ. दिग्विजय की तहरीर पर की गई है।

पीएसी की 86 व सीएपीएफ की 35 कंपनियां तैनात

एडीजी लॉ एंड आर्डर प्रशांत कुमार ने मंगलवार को कहा था कि स्थानीय निकाय चुनाव के पहले चरण के लिए 19,880 निरीक्षक-उपनिरीक्षक, 1,01,477 मुख्य आरक्षी-आरक्षी, 47,985 होमगार्ड, पीएसी की 86 कंपनियां, सीएपीएफ की 35 कंपनियां और 7,500 प्रशिक्षण ले रहे उप निरीक्षक तैनात किए जाएंगे।

ड्यूटी के दौरान मैनपुरी एसडीएम का निधन

मैनपुरी से वोटिंग के दौरान एक बड़ी दुखद घटना हुई है। ड्यूटी के दौरान मैनपुरी एसडीएम का निधन हो गया है। मैनपुरी के एसडीएम और पीसीएस अधिकारी वीरेंद्र कुमार मित्तल का निधन हो गया है। एसडीएम के निधन के बाद अधिकारियों में हड़कंप मच गया। एसडीएम के निधन पर समाजवादी पार्टी ने शोक जताया है।

चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होंगे : सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मुझे विश्वास है कि यह चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होंगे। मतदान हमारा कर्तव्य है जिसका बेहतर उपयोग किया जाना चाहिए इसलिए मेरी प्रदेश के मतदाताओं से अपील है कि मतदान अवश्य करें। न-सीएम योगी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में ने वोट डालने के बाद कहा, कि आज नगर निकाय चुनाव-2023 के लिए गोरखपुर में अपने मताधिकार का प्रयोग किया. मतदान हमारा अधिकार होने के साथ ही प्रमुख कर्तव्य भी है. अपने नगर निकाय को और अधिक सशक्त करने के लिए आप भी मतदान अवश्य करें. भारत माता की जय।

ईमानदार अभ्यर्थियों के साथ हो रहा अन्याय : अखिलेश

लेखपाल भर्ती परीक्षा: सपा प्रमुख बोले- नकल करने वाले को किया उत्तीर्ण

» आयोग के सचिव ने कहा- केंद्र की ओर से भेजी गई रिपोर्ट में इस प्रकरण का कोई उल्लेख नहीं है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की लंबित लेखपाल भर्ती मुख्य परीक्षा का परिणाम को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्वीट करते हुए सवाल खड़ा किया है। यादव ने कहा कि यूपी पुलिस ने लेखपाल भर्ती परीक्षा में नकल करते हुए जिस महिला अभ्यर्थी को सबूत के साथ पकड़ा था, उसे आयोग ने क्वालीफाई घोषित कर दिया है। दूसरी ओर आयोग ने सफाई दी है कि ये परिणाम अनंतिम हैं। लेखपाल भर्ती का परीक्षा परिणाम मंगलवार को जारी किया गया था।

सपा मुखिया ने कहा कि ये ईमानदार अभ्यर्थियों के साथ अन्याय है। इसकी जांच हो और दंडात्मक कार्रवाई भी। उन्होंने इसके साथ ही महिला अभ्यर्थी का रिजल्ट और पर्ची के साथ उसकी कॉपी भी ट्वीट की है। यह महिला अभ्यर्थी प्रयागराज के चेतना गर्ल्स इंटर कॉलेज करेली केंद्र पर परीक्षा में शामिल हुई थी। अखिलेश यादव का आरोप सामने आने के बाद आयोग ने इस पर अपनी सफाई जारी की है। आयोग के सचिव अवनीश सक्सेना ने कहा कि इस केंद्र की ओर से भेजी गई रिपोर्ट में इस प्रकरण का कोई उल्लेख नहीं है। ऐसे में अन्य अभ्यर्थी की ओएमआर के साथ उक्त महिला अभ्यर्थी की ओएमआर का भी मूल्यांकन किया गया। वहीं इस प्रकरण में जिला स्तर पर दर्ज एफआईआर के मामले में पुलिस की ओर से विवेचना की जा रही है। उन्होंने कहा है कि प्रकरण में न्यायालय में चार्जशीट या अंतिम रिपोर्ट देने की सूचना भी आयोग को नहीं मिली है। अभ्यर्थी को योग्य या अयोग्य घोषित करने के संबंध में आयोग पुलिस विवेचना के आधार पर निर्णय लेगा। यदि आयोग की ओर से अंतिम परिणाम घोषित करने से पहले पुलिस की विवेचना नहीं पूरी हो पाती है तो उस स्थिति में महिला अभ्यर्थी का परिणाम विदहेल्ड श्रेणी में रखा जाएगा।

सपा के पूर्व विधायक हेमराज वर्मा व महिला आयोग की पूर्व सदस्य भाजपा में शामिल

लखनऊ। सपा सरकार में मंत्री और पीलीभीत से सपा के लोकसभा प्रत्याशी रहे हेमराज वर्मा और उन्नाव के गंज मुरादाबाद की ब्लॉक प्रमुख संध्या पटेल ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने उन्हें सदस्यता ग्रहण कराई। उन्नाव से सपा कार्यकर्ता विवेक सिंह पटेल, समाजवादी पार्टी की महिला सभा की प्रदेश उपाध्यक्ष व राज्य महिला आयोग की पूर्व सदस्य शीला सिंह भी समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुई।

स्कूलों में गीता के साथ बाइबिल व कुरान भी पढ़ाई जाए : मेनका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। भाजपा सांसद व पशु रक्षा की पैरोकार मेनका गांधी ने बुधवार को एक विद्यालय में आयोजित मेधावियों के सम्मान समारोह में कहा कि आप सभी आपस में प्रेम व भाईचारा बढ़ाने की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि पैगंबर मोहम्मद साहब खुद शाकाहारी थे। कोई भी धर्म व कौम हिंसा की बात नहीं करता है। इसलिए बच्चों को स्कूलों में पढ़ाई के साथ ही सभी धर्मों के बारे में भी जानकारी देनी चाहिए।

सांसद ने कार्यक्रम में मौजूद प्रबंधक और शिक्षकों को स्कूल में बच्चों को धार्मिक ग्रंथ कुरान, बाइबल और गीता पढ़ाने की सलाह देते हुए कहा कि मैंने खुद 40 से 50 बार कुरान पढ़ी है। सभी धर्मों की अच्छी बातें बच्चों को पता होनी चाहिए। उन्होंने स्कूलों में बच्चों को स्वच्छता अपनाने, पेड़ लगाने व अंग्रेजी पढ़ाने की भी सलाह दी।

राजोआना के मामले में सरकार तुरंत ले फैसला : हरजिंदर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के जुर्म में करीब 28 साल के जेल में बंद बलवंत सिंह राजोआना के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एसजीपीसी के प्रधान हरजिंदर सिंह धामी ने कहा है कि अब केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि वह राजोआना की सजा रद करके उसे रिहा करने का एलान करे।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने राजोआना के केस में गृह मंत्राय को फैसला लेने का निर्देश दिया है, धामी ने कहा कि केंद्र सरकार ने राजोआना की सजा बदलने के बारे में श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व पर नोटिफिकेशन जारी कर दिया था, जिसे ध्यान में रखते हुए तुरंत फैसला लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार अपने 2019 के नोटिफिकेशन को लागू करते हुए राजोआना की रिहाई का फैसला ले क्योंकि वह उम्रकैद से ज्यादा सजा भुगत चुके हैं।

शिअद ने की निंदा

शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने सिख बंदी बलवंत सिंह राजोआना की रिहाई के मुद्दे पर केंद्र सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में यू-टर्न लिए जाने की निंदा की है। पार्टी ने केंद्र सरकार की निंदा करते हुए कहा कि भाजपा इस मुद्दे पर दोहरा मापदंड अपना रही है। पार्टी की ओर से यह भी कहा गया है कि ऐसा लगता है कि भाजपा और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच रणनीतिक मिलीभगत बंदी सिंह की रिहाई में रोड़ा बन रही है। बिक्रम सिंह मजीठिया ने राजोआना की दया याचिका पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा गृह मंत्रालय को निर्देश दिए जाने पर कहा कि केंद्र सरकार ने सिख समुदाय की भावनाओं को आहत किया है।

भाजपा को सभी राज्यों में हराएंगे: पायलट

» भारी बहुमत से कांग्रेस की बनेगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर । राजधानी जयपुर में आयोजित ईद मिलन कार्यक्रम के दौरान सचिन पायलट ने कहा कि आगामी चुनावों में हम सबको मिलकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए जीत का मंत्र दिया। पायलट ने कहा कि आने वाला समय चुनौतीपूर्ण होगा। उन्होंने कहा जब हम भाजपा को अलग-अलग राज्यों में हराएंगे तभी 2024 लोकसभा चुनाव में मजबूत चुनौती दे पाएंगे।

एनडीए और भाजपा को हराना है जरूरी है। अलग-अलग राज्यों में जब हम भाजपा को हराएंगे, तभी हम राष्ट्रीय स्तर पर हरा पाएंगे। इसलिए सबको मिलकर काम करने की जरूरत है। यह लंबा-चौड़ा भाषण देने का समय नहीं है। इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। उन्होंने कहा कि आज

ईद मिलन समारोह के मौके पर आप सभी को मुबारकबाद। हम सब ऐसे ही प्रेम-मोहब्बत, भाईचारे से सभी त्योहारों को मिलजुल कर मनाते रहें। उन्होंने कहा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान सहित कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। अभी कर्नाटक चुनाव में भी मुझे विश्वास है कि भारी बहुमत से कांग्रेस की सरकार बनेगी।

हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, हम सब है भाई-भाई

इसके बयान के बाद ही तेज प्रताप यादव ने पलटवार किया और कहा कि हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई हम सब है भाई-भाई। भूलिये मत बिहार में किसकी सरकार है। इसी मामले को लेकर तेज प्रताप यादव ने भाजपा और सवर्ण सेना पर निशाना साधा। इधर, तेज प्रताप यादव का डीएसएस भी अब छह साल बाद फिर से एक्टिव हो गया है।

बिहार में किसी भी सेना की मनमानी नहीं चलेगी : तेजप्रताप

पटना। वन एवं पर्यावरण मंत्री तेज प्रताप यादव ने पंडित धीरेंद्र शास्त्री के पक्ष में उतरे भाजपा और सवर्ण सेना को चेतावनी दी है। भाजपा पर पलटवार करते हुए कि वह हमारा ताकत भी देख लेंगे। सवर्ण सेना के विरोध पर कहा कि जो भी सेना तैयार करना है कर लें। हमलोगों का भी सेना तैयार है। शायद वह भूल रहे हैं कि बिहार में किसकी सरकार है। यह बातें तेज प्रताप यादव ने राबड़ी आवास पर कही। दरअसल, पंडित धीरेंद्र शास्त्री को भाजपा नेता ने बयान दिया था कि अगर बागेश्वर धाम महाराज पटना नहीं आएंगे तो क्या मक्का-मदीना जाएंगे। इतना ही नहीं सवर्ण सेना भी तेज प्रताप यादव के विरोध में उतर गई। सवर्ण सेना के अध्यक्ष भागवत शर्मा ने कहा कि, राजद के लोग ईसाई धर्म को मानने वाले लोग है। हमलोग बाबा बागेश्वर धाम का विरोध करने वाले का जोरदार विरोध करेंगे।

मोदी और ईडी के चेहरे से हटा नकाब : केजरीवाल

» देश की सबसे ईमानदार पार्टी को बदनाम कर रही केंद्र सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि आबकारी नीति मामले में केंद्र सरकार और ईडी पूरी तरह एक्सपोज हो गई। आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को बदनाम करने के लिए उनका नाम एक फर्जी घोटाले की चार्जशीट में डालने पर ईडी को पूरे देश के सामने माफी मांगनी पड़ी है।

एक ट्वीट में मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि क्या किसी का नाम चार्जशीट में गलती से भी डाला जाता है? इससे साफ है कि पूरा केस फर्जी है। यह केवल गंदी राजनीति के तहत सबसे ईमानदार पार्टी को बदनाम करने और सबसे तेजी से बढ़ने वाली पार्टी को रोकने

संजय सिंह व सौरभ भारद्वाज का गलत नाम डालने का मामला

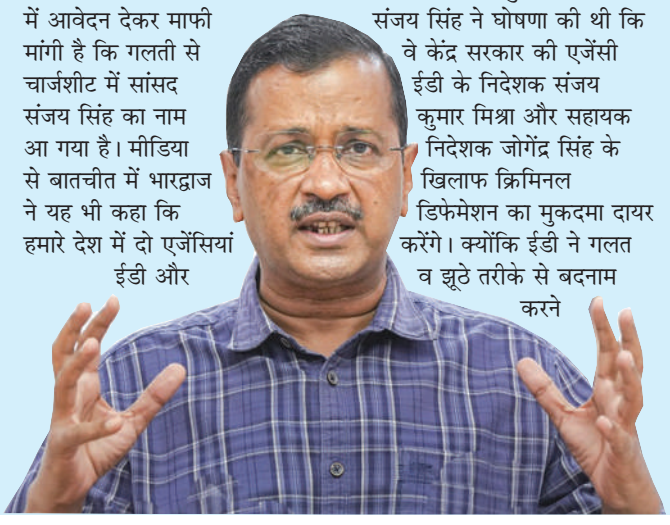

के लिए प्रधानमंत्री ऐसा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री को यह शोभा नहीं देता है। आप के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा है कि ईडी ने कोर्ट में आवेदन देकर माफी मांगी है कि गलती से चार्जशीट में सांसद संजय सिंह का नाम आ गया है। मीडिया से बातचीत में भारद्वाज ने यह भी कहा कि हमारे देश में दो एजेंसियां ईडी और सीबीआई का उपयोग डराने-धमकाने, किसी को परेशान करने, टॉर्चर व उत्पीड़ित करने के लिए किया जा रहा है। कुछ दिन पहले संजय सिंह ने घोषणा की थी कि वे केंद्र सरकार की एजेंसी ईडी के निदेशक संजय कुमार मिश्रा और सहायक निदेशक जोगेंद्र सिंह के खिलाफ क्रिमिनल डिफेमेशन का मुकदमा दायर करेंगे। क्योंकि ईडी ने गलत व झूठे तरीके से बदनाम करने के लिए चार्जशीट में नाम डाला है। भारद्वाज ने कहा कि देश में पहली बार हो रहा है कि ईडी ने सांसद संजय सिंह से माफी मांगी है। ईडी के वकील जोएब हुसैन ने अपने अधिकारियों की तरफ से संजय सिंह को इस बाबत पत्र लिखा है।

झूठ की राजनीति करती है आप : सचदेवा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि सांसद संजय सिंह सहित आप नेताओं झूठ और भ्रम फैलाने की मशीन हैं। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने एक कागज दिखाकर झूठे दावे कर रहे है कि ईडी ने सांसद संजय सिंह से पत्र लिखकर माफी मांगी है और कहा है कि उनका नाम चार्जशीट में गलती से लिखा गया है। ईडी की तरफ से जब पत्र सार्वजनिक हुआ तो पूरी पार्टी का झूठ जगजाहिर हो गया। ईडी के वकील ने अपने पत्र में केवल एक जगह संजय सिंह का नाम टाइप गलती से आने की बात स्वीकारी है और वो गलती संजय सिंह के नोटिस से पहले सुधार दी गई थी।

संकट मोचक नाम तिहारो...अब चुनाव हमारो!

कर्नाटक चुनावी प्रचार में हनुमान जी का प्रवेश

» घोषणा पत्र पर भाजपा - कांग्रेस में रार

» तुष्टीकरण बनाम ध्रुवीकरण की ओर बढ़ा चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। कर्नाटक के चुनाव में बजरंगबली का प्रवेश हो गया। कांग्रेस ने कर्नाटक चुनाव को लेकर जो घोषणा पत्र जारी किया है, उसमें कहा है कि अगर उनकी सरकार बनती है तो वह सूबे में बजरंग दल पर प्रतिबंध लगा देगी। कांग्रेस के इस एलान के चंद घंटों बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बयान आ गया।

उन्होंने इसे बजरंग बली का अपमान बताया। कहा, पहले कांग्रेस ने भगवान राम को ताले में बंद किया और अब वह जय बजरंग बली बोलने वालों को ताले में बंद करना चाहते हैं। कांग्रेस के घोषणा पत्र को तुष्टीकरण की राजनीति करने वाला बताकर बीजेपी उसको घेर रही तो भाजपा के संकल्प पत्र में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने व मुस्लिम आरक्षण खत्म करने की जो बात की गई है उसको कांग्रेस ने ध्रुवीकरण की राजनीति करने वाला बताकर पलटवार किया है।

विहिप की यात्रा को सुरक्षा देने के लिए हुआ था बजरंग दल का गठन

अक्टूबर 1984 की बात है। विश्व हिंदू परिषद की पहली धर्म संसद में मंदिर आंदोलन की शुरुआत हुई। इसके साथ ही राम जानकी रथयात्रा के नाम से नियमित रूप से शोभा यात्रा निकालने की शुरुआत हुई। इसका मकसद था कि लोगों को हिंदुत्व के बारे में अधिक से अधिक बताया जाए। कुछ समय में ही इससे युवा और साधु-संत जुड़ते गए। इस यात्रा के खिलाफ कुछ लोगों ने बयान देने शुरू कर दिए। कई धमकियां भी दी गईं। तब विश्व हिंदू परिषद ने यूपी सरकार से यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम करने का अनुरोध किया। यूपी सरकार ने सुरक्षा देने से साफ इनकार कर दिया। तब कुछ युवाओं ने अपनी ओर इस यात्रा को सुरक्षा प्रदान करने का एलान कर दिया।

बजरंगबली को बंद करना चाहती है कांग्रेस : मोदी

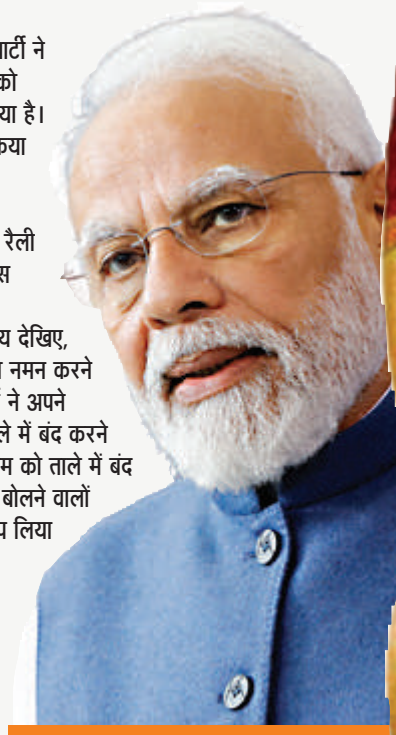

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने मेनिफेस्टो में बजरंगबली को ताले में बंद करने का निर्णय लिया है। पहले श्री राम को ताले में बंद किया और अब जय बजरंगबली बोलने वालों को ताले में बंद करने का संकल्प ले रहे है। पीएम मोदी ने रैली में कहा, आज हनुमान जी की इस पवित्र भूमि को नमन करना मेरा बहुत बड़ा सौभाग्य है और दुर्भाग्य देखिए, मैं आज जब यहां हनुमान जी को नमन करने आया हूं उसी समय कांग्रेस पार्टी ने अपने मेनिफेस्टो में बजरंगबली को ताले में बंद करने का निर्णय लिया है। पहले श्री राम को ताले में बंद किया और अब जय बजरंगबली बोलने वालों को ताले में बंद करने का संकल्प लिया है। यह देश का दुर्भाग्य है कि कांग्रेस पार्टी को प्रभु श्री राम से भी तकलीफ होती थी और अब जय बजरंगबली बोलने वालों से भी तकलीफ हो रही है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी कर्नाटक की मान-मर्यादा और संस्कृति पर कोई आंच नहीं आने देगी। साथ ही बीजेपी कर्नाटक के विकास के लिए, यहां के लोगों को आधुनिक सुविधा और नए अवसर देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि कांग्रेस ने दशकों के अपने शासन के दौरान गांवों और शहरों के बीच खाई को बहुत ज्यादा बढ़ा दिया था लेकिन बीजेपी सरकार इस खाई को कम करने में लगातार जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि आज हमारे गांवों में भी शहरों जैसी सुविधाएं पहले से ज्यादा गति से पहुंच रही हैं।

कांग्रेस ने श्री हनुमान जी से लिया पंगा : विज

हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने ट्वीट कर कहा कि पहले कांग्रेस ने मंदिर में अड़चने डाल कर श्री राम जी की नाराजगी मोल ली थी तो कांग्रेस अपने पैरों पर खड़ा होने लायक नहीं बची थी। अब कांग्रेस ने श्री हनुमान जी से पंगा लिया है तो निशित है श्री हनुमान जी कांग्रेस को लंका जला कर खाक कर देंगे। पहले कांग्रेस ने मंदिर में अड़चने डाल कर श्री राम जी की नाराजगी मोल ली थी तो कांग्रेस अपने पैरों पर खड़ा होने लायक नहीं बची थी अब कांग्रेस ने श्री हनुमान जी से पंगा लिया है तो निशित है श्री हनुमान जी कांग्रेस को लंका जला कर खाक कर देंगे।

मोदी जी फेंकने में बहुत माहिर हैं : भूपेश

मुख्यमंत्री बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। कहा कि, मोदी जी फेंकने में बहुत माहिर हैं। वह कबीर जी को, गुरू गोरखनाथ जी को एक साथ बिठा देते हैं। कहते हैं कि वह एक साथ बैठकर चर्चा करते हैं। कौन किस सदी में हुआ। जो चीज पाकिस्तान में हुई है उसे बिहार का बता देते हैं। जनसंख्या जितनी नहीं है उतना बता देते हैं। बैन बजरंग दल पर लगाने की बात हुई है, बजरंग बलि पर नहीं। बजरंग बलि हमारे आराध्य हैं उनके नाम पर कोई गुंडागर्दी करे ये उचित नहीं है। बजरंग दल के सदस्यों ने यहां भी उत्पात मचाया है। कानून का काम कानून करेगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में बजरंग दल पर बैन लगाने को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि, यहां भी विचार किया जा सकता है। दरअसल, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मीडिया ने बजरंग दल पर बैन लगाने को लेकर सवाल पूछा था। इस पर सीएम बघेल ने कहा कि, वहां क्या हो रहा, यहां क्या होगा, यहां कि परिस्थितियों में बजरंगियों ने गड़गड़ की तो उन्हें ठीक कर देंगे। ठीक कर भी दिया है। जरूरत पड़ी तो यहां भी बैन के लिए सोचा जाएगा, लेकिन वहां अभी कि समस्या के हिसाब से वहां के पार्टी के पदाधिकारियों ने तय किया है। मोदी जी ने कर्नाटक में बोला कि आधा लीटर दूध हर घर में देंगे, तो मध्य प्रदेश में दे रहे हैं क्या? ये सब कर्नाटक की बात है।

ऐसे पड़ा बजरंग दल नाम

विनय कटियार उन दिनों हिंदूवादी युवा नेताओं में से एक थे। एक अक्टूबर 1984 को बड़ी संख्या में युवा जुटे और इस दल की स्थापना हुई। विनय कटियार ने कहा, प्रभु श्रीराम की सेवा के लिए हमेशा बजरंग बली आगे रहे हैं और इस बार भी प्रभु श्रीराम और माता जानकी की यात्रा की सुरक्षा बजरंग बली के भक्त ही करेंगे। इसी के साथ इस संगठन का नाम बजरंग दल रख दिया गया। युवा जोश और उत्साह को देखते हुए विश्व हिंदू परिषद ने बजरंग दल को कई बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी। इनमें धार्मिक स्थलों का नवीनीकरण, धार्मिक स्थलों को अवैध कब्जे से मुक्त कराने के लिए आंदोलन और संघर्ष करना, गौ संरक्षण, सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आंदोलन चलाना... जैसे दहेज प्रथा, अस्पृश्यता, जातिगत भेदभाव, फिल्मों, विज्ञापन के जरिए फैलाए जाने वाले अश्लीलता का विरोध करना, अवैध घुसपैठ का विरोध करना, धर्म परिवर्तन को रोकने जैसा काम शामिल है। इसके अलावा सनातम धर्म को लेकर युवाओं को जागरुक करने का भी काम बजरंग दल के कार्यकर्ता करते हैं। युवाओं को शारीरिक तौर पर मजबूत बनाने के लिए खेल प्रतियोगिताओं और अखाड़े का भी आयोजन बजरंग दल की तरफ से किया जाता है।

विवादों में भी रहा है बजरंग दल

बजरंग दल पर कई तरह के आरोप भी लग चुके हैं। आरोप है कि अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को बजरंग दल के कार्यकर्ता परेशान करते हैं। कई मस्जिदों और चर्च पर हमले के आरोप भी बजरंग दल के कार्यकर्ताओं पर लग चुके हैं। इसके अलावा वैलेंटाइन डे पर प्रेमी जोड़ों को परेशान करने का आरोप भी बजरंग दल के कार्यकर्ताओं पर लगता रहा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सीनियर क्रिकेटरों से ऐसी उम्मीद नहीं

लखनऊ के इकाना में 1 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लखनऊ सुपर जायंट्स को हरा दिया था। हार-जीत से ज्यादा, मैच के दौरान विराट कोहली, नवीन उल-हक और गौतम गंभीर की लड़ाई की चर्चा हो रही है। सबसे बड़ी बात ये इन दोनों की आलोचना भी हो रही। इंटरनेशनल लेबल के खिलाड़ियों के इस तरह के बर्ताव से सब चकित हैं। दोनो उम्दा दर्जे के क्रिकेटरों का इस तरह भिड़ना ऐसा लग रहा था आईपीएल नहीं गली क्रिकेट खेली जा रही हो। यह पहली बार नही हुआ है इससे पहले भी इन दोनों के बीच इस तरह की झड़प हो चुकी है। मामला चाहे जो भी इस स्तर के खिलाड़ियों को यह समझना चाहिए वे करोड़ों लोगों के लोकप्रिय खिलाड़ी हैं, बहुत से लोग इनको अपना आदर्श मानते हैं अगर वे इस तरह का व्यवहार करेंगे तो लोगों की नजर में उनका भी सम्मान कम होगा। जो फैन उनकों ऊंचाई दे रही एक दिन वी वंहा से गिरा भी देगी।

1 मई के दिन कोहली ने जूता दिखाते हुए स्लेजिंग की और उसके बाद मामला बढ़ता गया। मैच के बाद गंभीर और कोहली में भी लंबी बहस चली। अभी तक यह नहीं पता चल सका था कि दोनों के बीच कहा क्या गया था? दोनों टीम से एक के डगआउट में मौजूद चश्मदीद ने पूरा वाकया बयां किया है। उसने नाम नहीं जाहिर किया। उसने बताया कि नवीन से विवाद के बाद जब गंभीर आए तो कोहली ने उनसे पूछा था कि आप क्यों इस मामले में घुस रहे हो? गंभीर ने जवाब दिया था- तुमने मेरे प्लेयर को बोला यानी मेरी फैमिली को गाली दी। विवाद के बाद लखनऊ के कोच गंभीर और विराट पर मैच फीस का 100 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। नवीन पर 50 प्रतिशत जुर्माना लगा था। इन मोमेंट्स को देखकर हर कोई हैरान था। पूरे मामले को देखेंगे तो कई बार ऐसा लगा कि विराट कोहली, नवीन उल हक और गौतम गंभीर के बीच यह बहस हाथापाई तक पहुंच जाएगी। दिल्ली में कोहली और गंभीर के साथी रहे अमित मिश्रा दोनों के ही करीबी माने जाते हैं। कोहली के साथ बचपन से उन्होंने क्रिकेट खेली है तो गंभीर उन्हें काफी पसंद करते हैं। जब कोहली और नवीन उल हक आमने-सामने थे तब भी अमित मिश्रा कोहली को समझाते नजर आए। इसके बाद जब मैच खत्म हुआ और बात विराट कोहली और गंभीर के बीच बढ़ गई तब भी अमित मिश्रा ही थे, जो कोहली को खींचकर पीछे ले गए और मामले को शांत करने की कोशिश की। बहस के बीच यह भी अपने आप में रोचक था कि अमित मिश्रा ने इस पूरे विवाद को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश की। कुछ ऐसा ही रजत भाटिया नजर आए थे।

दोनो उम्दा दर्जे के क्रिकेटरों का इस तरह भिड़ना ऐसा लग रहा था आईपीएल नहीं गली क्रिकेट खेली जा रही हो। यह पहली बार नही हुआ है इससे पहले भी इन दोनों के बीच इस तरह की झड़प हो चुकी है। मामला चाहे जो भी इस स्तर के खिलाड़ियों को यह समझना चाहिए वे करोड़ों लोगों के लोकप्रिय खिलाड़ी हैं, बहुत से लोग इनको अपना आदर्श मानते हैं अगर वे इस तरह का व्यवहार करेंगे तो लोगोंकी नजर में उनका भी सम्मान कम होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राजनीतिक-आर्थिक संकट के बीच बिलावल का दौरा

जी. पार्थसारथी

पाकिस्तान के युवा विदेशमंत्री बिलावल भुट्टो को विरासत में जहां राजसी ठाठ-बाठ मिला है वहीं वंशानुगत विवाद भी। उनके नाना जुल्फिकार अली भुट्टो, जो कभी एक राष्ट्रीय नायक और राजनेता बनकर उभरे थे, भी अपनी जवानी में गर्म-ख्याल थे और भारत के विरुद्ध विषैली बयानबाजी करते रहते थे। जुल्फिकार भुट्टो की राजनीतिक महत्वाकांक्षा के चलते अविभाजित पाकिस्तान दोफाड़ हो गया था, क्योंकि वे 1971 के आम चुनाव में मिले जनादेश को स्वीकार करने से मुकर गए थे, जिसमें उनकी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी को भले ही पश्चिम पाकिस्तान में बहुमत मिला था, लेकिन मुल्क के दोनों हिस्सों की संयुक्त संसद में बहुमत कुल मिलाकर शेख मुजीब-उर-रहमान के हिस्से आया था। इसके बाद पंजाबियों के दबदबे वाली पाकिस्तानी सेना ने देश के पूरबी हिस्से में कत्लो-गारत मचा दी। बांग्लादेश के स्वाधीनता सेनानियों के कड़े प्रतिरोध और भारत के सैन्य हस्तक्षेप ने जिन्ना के उस सपने का अंत कर डाला, जिसमें वे पाकिस्तान को भौगोलिक रूप से बंटा किंतु राजनीतिक रूप से एक मुल्क देखना चाहते थे।

बांग्लादेश की चोट खाने के बाद, भुट्टो ने पहले देश की बागडोर बतौर राष्ट्रपति संभाली और फिर राष्ट्रीय चुनाव में बहुमत हासिल करके प्रधानमंत्री बन गए। लेकिन कट्टरवादी सोच के मालिक जनरल जिआ-उल-हक ने मनमाने और अस्वाभाविक रूप में उनका तख्तापलट कर उन्हें जेल में डाल दिया और एक पुराने मामले को आधार बनाकर चलाए मुकदमे में उन्हें सूली पर चढ़वा दिया। हालांकि, 1971 की लड़ाई के बाद भुट्टो यथार्थवादी बन गए थे और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के साथ शिमला समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। उनकी फांसी के बाद पुत्री बेनजीर भुट्टो ने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की कमान संभाली और कट्टरवादी जनरल जिया की मौत के बाद हुए चुनाव में जीत हासिल कर प्रधानमंत्री बनीं। लेकिन सेना ने उनका भी तख्तापलट कर डाला। आगे चलकर, एक राजनीतिक रैली में रहस्यमय स्थितियों में, उनकी हत्या हुई।

बिलावल भुट्टो के पिता आसिफ अली जरदारी, एक बड़े जागीरदार और राजसी घराने से हैं। वे 2008-13 तक राजनीतिक जोड़-तोड़ से पाकिस्तान के राष्ट्रपति भी रहे। इन दिनों पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के मुखिया हैं। पाकिस्तान के सबसे ज्यादा आबादी वाले सूबे पंजाब में राजनीतिक नेतृत्व फिलहाल

दो सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टियों में बंटा हुआ है। एक है, दिनो-दिन लोकप्रिय होते इमरान खान की तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी और दूसरी है नवाज़ शरीफ के नेतृत्व वाली मुस्लिम लीग। पाकिस्तान में अनेकानेक मुकदमे झेल रहे नवाज़ शरीफ इन दिनों लंदन में स्व-निर्वासित और सुरक्षित जीवन व्यतीत कर रहे हैं। फिलहाल राष्ट्रीय सरकार उनके अनुज शाहबाज शरीफ बतौर प्रधानमंत्री चला रहे हैं और पार्टी का कामकाज बेटी मरियम शरीफ। समयापूर्व आम चुनाव करवाने को बजदि हुए इमरान खान ने पंजाब और पश्तूनों की बहुलता वाली खैबर पख्तूनख्वा विधानसभाओं को भंग करवा डाला है। इस बीच, पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश उमर अता बंदल भी संसद को तुरंत भंग करके आम चुनाव करवाकर नया जनादेश पाने के इमरान खान के प्रयासों का साथ देते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि जनता का शाहबाज शरीफ सरकार और न्यायपालिका से मोहभंग हुआ पड़ा है। पाकिस्तान संसद के सभापति राजा परवेज़ अशरफ भी इस झगड़े में कूद पड़े हैं जब उन्होंने 26 अप्रैल को मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर, उच्च न्यायपालिका को लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई संसद के अधिकार क्षेत्र में घुसपैठ न करने की नसीहत दे डाली। पाकिस्तान में राजकीय शक्ति का सबसे महत्वपूर्ण अवयव यानी पाकिस्तानी सेना फिलहाल जनरल असीम मुनीर के नेतृत्व तले है, जिन्हें इमरान खान के प्रधानमंत्री काल में मुश्किल हालात का सामना करना पड़ा था, जब उन्हें मनमाने ढंग से हटाकर इमरान खान ने अपने वफादार को आईएसआई मुखिया बना दिया था। वैसे, जनरल मुनीर पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा के शागिर्द हैं। आगे चलकर इमरान खान और जनरल बाजवा की आपस में खड़क गई थी।

कहा जाता है कि इमरान खान को सत्ता से हटाने का काम सिरे चढ़ाने में जनरल बाजवा की भूमिका अहम रही। जनरल बाजवा ने भारत से संबंध सुधारने के प्रयासों का नेतृत्व किया, जिसमें पर्दे के पीछे भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से चली बातचीत वाला अध्याय भी शामिल है। इस बीच, पाकिस्तान ने अपने हवाई अड्डों का इस्तेमाल, यूक्रेन तक नाटो तक हथियार पहुंचाए जाने के लिए मंजूर किया।

खतरे का मुकाबला नीतिगत दृढ़ता से संभव

ज्ञानेन्द्र रावत

जलवायु परिवर्तन के खतरे दिन-ब-दिन भयावह होते जा रहे हैं। जहां समूची दुनिया में लाख कोशिशों के बावजूद बीते साल कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन सर्वाधिक रहा, उसने कीर्तिमान बनाया। उस स्थिति में जबकि बीते बरसों में वैश्विक स्तर पर कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को रोकने के प्रयासों के तहत पवन व सौर ऊर्जा के साथ-साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल में खासी बढ़ोतरी दर्ज की गयी है। यह भी कि सौर ऊर्जा तथा इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल ने कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी लाने में काफी योगदान दिया है। इन सब कोशिशों और अक्षय स्रोतों में बढ़ोतरी के बावजूद बीते साल कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन 0.9 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 36.8 अरब टन हो गया जो कि तीन-चौथाई से भी ज्यादा ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार है। दरअसल, दुनिया में जीवाश्म ईंधन से बढ़ता उत्सर्जन जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में सबसे बड़ी बाधा है।

इसके पीछे हवाई यात्रा में वृद्धि और गैस की कमी से कोयले के इस्तेमाल में हो रही बढ़ोतरी को नकारा नहीं जा सकता। गौरतलब है कि कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में बढ़ोतरी के लिए तेल का योगदान सबसे अधिक माना जाता रहा है। इसमें हुई 2.5 फीसदी की बढ़ोतरी में लगभग आधी बढ़ोतरी हवाई यात्रा में हुई बढ़ोतरी के कारण है। पिछले साल सख्त कोविड नियमों के कारण चीन का कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन गिर गया था लेकिन इसके विपरीत अन्य उभरती और एशियाई विकासशील अर्थव्यवस्था के आर्थिक विकास के कारण इसके उत्सर्जन में 4.2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यह स्वच्छ ऊर्जा के इस्तेमाल का ही नतीजा है कि कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन पर अंकुश लगा वरना यह लगभग तीन गुणा से भी ज्यादा होता। आंकड़े और अध्ययन प्रमाण हैं कि कोयले के इस्तेमाल से कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन बीते साल यानी 2022 में 1.6 फीसदी बढ़ा। इसमें रूस-यूक्रेन युद्ध के योगदान को नकारा नहीं जा सकता। रूस-यूक्रेन युद्ध और रूसी गैस की आपूर्ति में आई भीषण कमी के कारण बहुतेरे यूरोपीय देशों ने भी ऐसे ईंधन का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया । वहीं गैस की कीमतों में आयी बढ़ोतरी के कारण कई एशियाई देशों ने भी यूरोपीय देशों का अनुसरण करना शुरू कर दिया था जिसका परिणाम सामने है।

जलवायु परिवर्तन से कृषि, खाद्यान्न, पानी व इंसान के जीने के लाले पड़ने और भीषण आपदाओं का अंदेशा है। दुनिया के वैज्ञानिक इसके संकेत सालों से दे रहे हैं। लेकिन अब नदियां भी सूखने लगी हैं। इटली की सबसे बड़ी नदी 'पो' इसकी जीती-जागती मिसाल है जो लगातार सूखती जा रही है। असलियत यह है कि 652 किलोमीटर लम्बी इस नदी के लगभग 75 फीसदी हिस्से से पानी खत्म हो चुका है। इसका एक अहम कारण आल्प्स के पहाड़ों पर बर्फ का न होना है। इसके साथ ही तापमान में बढ़ोतरी व तेजी से बदलाव तथा वर्षा चक्र में असंतुलन ने इंसान और जानवरों के बीच के संघर्ष को तकरीबन 80 फीसदी बढ़ाने का काम किया है। वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के शोध- अध्ययनों ने इस तथ्य को प्रमाणित किया है।

अध्ययन सबूत हैं कि इंसानों और जानवरों के बीच संघर्ष बीते 10 साल में पिछले दो दशक के मुकाबले चार गुणा तक बढ़ गये हैं। यह संघर्ष मैदानी इलाकों, जंगलों तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि अब यह समुद्री जीवों और इंसानों में भी तेजी से बढ़ रहा है। समुद्र में जहाजों की बेतहाशा तादाद ने जहाजों और व्हेल के संघर्ष को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। तंजानिया में तो सूखे के कारण वहां पानी और खाने की तलाश में हाथी उग्र हो रहे हैं। असल में जानवर तेजी से हो रहे इस बदलाव को स्वीकारने को तैयार नहीं हैं। देखा जा रहा है कि अब हाथी ही नहीं, दूसरे जानवरों के इंसानों से संघर्ष की घटनाएं अब पहले से ज्यादा बढ़ी हैं। इसका अहम कारण जलवायु परिवर्तन के चलते हर जीव का जीवन प्रभावित होना है। वहीं खाने और पीने के पानी के बढ़ते संकट के कारण दोनों के बीच टकराव में बढ़ोतरी और जंगलों में इंसान के बढ़ते हस्तक्षेप-घुसपैठ से जीवों के आवास स्थलों की बर्बादी अहम है। हमारे देश की स्थिति भी भिन्न नहीं है।

इसमें दो राय नहीं कि ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन के लिए दुनिया के 10 फीसदी सबसे धनी देश सर्वाधिक जिम्मेदार हैं जो 45 फीसदी ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कर रहे हैं। जबकि 50 फीसदी लोग जो जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे नतीजों को भुगत रहे हैं, वे ग्रीन हाउस गैसों के कुल उत्सर्जन के मात्र 15 फीसदी के लिए ही जिम्मेदार हैं। इस असमानता और अन्याय को रोकने के लिए इंटरगवर्मेंटल पैनल फॉर क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) ने दुनिया से अपील की है। इस बारे में जहां तक भारत का सवाल है, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जार्जीवा की मानें तो 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित करने वाला भारत उस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को समय से पहले हासिल कर सकता है। इस दिशा में ऊर्जा के मुख्य स्रोत के रूप में सौर ऊर्जा के उपयोग और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सौर गठबंधन के माध्यम से इसे वैश्विक स्तर तक ले जाने के भारत के प्रयासों से प्रतीत होता है कि जलवायु परिवर्तन के संकट से लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। यह तभी संभव है जबकि मौजूदा संसाधनों का सही रूप से रणनीतिक इस्तेमाल किया जाये। इससे जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न खतरे को काफी कम किया जा सकता है।

ऐसे तैयार करें बीज

इन्हें रोस्ट करने के लिए आप पहले बीजों को धोकर सुखा लें और फिर रातभर इसे भिगोकर रखें। दो-तीन दिन में बीज अंकुरित हो जाएंगे। इसके बाद आप बीजों को छीलकर उन्हें ओवन या धूप में सुखाएं। आपके बीज तैयार हैं। जब भी आपको खाना हो तो आप पैन में इन्हें रोस्ट करके उसमें थोड़ा नमक डालें और आनंद लेकर खाएं।

मधुमेह का इलाज

उबले हुए तरबूज के बीज का हर रोज सेवन मधुमेह के लिए एक घरेलु उपचार के रूप में मौजूद है। तरबूज के बीज नियमित रूप से लेना मधुमेह के इलाज के लिए सबसे अच्छी प्राकृतिक दवाई है। किसी भी बीमारी के बाद तरबूज के बीज लेने से किसी भी स्वास्थ्य संकट से आसानी से उबरने में सहायता मिलेगी। इसका प्रभाव एक या दो दिन बाद देखा जा सकता है।

स्वास्थ्य के लिए बहुत गुणकारी हैं तरबूज के बीज

गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है और लोगों ने तरबूज का सेवन करना भी प्रारंभ कर दिया है। यह तो हम सब जानते हैं कि गर्मियों के मौसम में तरबूज आपके शरीर के लिए कई तरह से लाभदायक है। अक्सर देखने में आता है कि लोग तरबूज खाकर उसके बीजों को फेंक देते हैं, लेकिन आज हम आपको तरबूज के बीजों से मिलने वाले कुछ अद्भुत लाभों के बारे में बताते हैं और फायदे जानकर आप कभी भी तरबूज के बीजों को फेंकने की गलती नहीं करेंगे।

मिलते हैं पोषक तत्व

तरबूज के बीजों से आपको इतने अधिक पोषक तत्व प्राप्त होते हैं जिनके बारे में आपने सोचा भी नहीं होगा। इनके सेवन से आपको प्रोटीन, कई तरह के विटामिन्स, मैग्नीशियम, फास्फोरस, आयरन, पोटेशियम, तांबे, मैंगनीज और जिंक प्राप्त होता है। तरबूज के बीजों का दूसरा सबसे बड़ा फायदा यह है कि इनमें कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है, इसलिए जो लोग अपने वजन को लेकर चिंतित रहते हैं, वे भी बेफिक्र होकर इसे खा सकते हैं। खासतौर से इनके सूखने के बाद जब आप इन्हें रोस्ट करके खाते हैं तो इनका स्वाद और न्यूट्रिशन वैल्यू दोनों ही बढ़ जाती है।

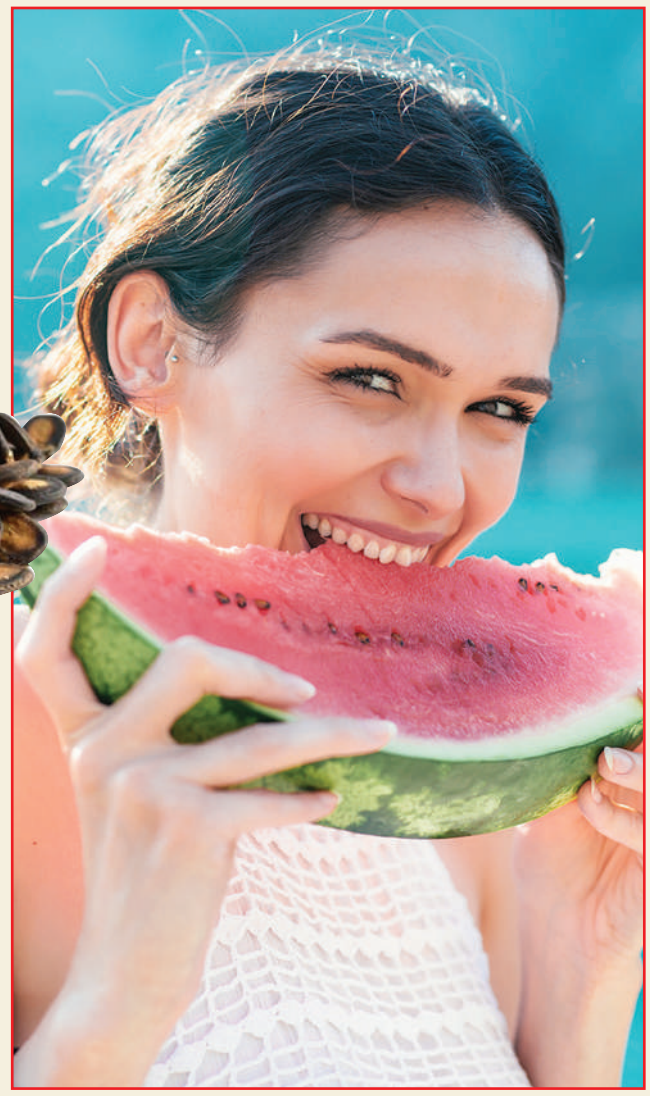

मिलते हैं ये फायदे

बढ़ाता है उर्जा का स्तर

तरबूज के बीज वास्तव में गुणों की खान है। इससे आपको बहुत से फायदे मिलते हैं। यह आपकी थकान को दूर करके उर्जा के स्तर को बढ़ावा देता है। इनसे आपको आयरन प्राप्त होता है और यही आयरन आपके शरीर में कैलोरी को ऊर्जा में बदलने में मदद करता है। इसके अतिरिक्त इसमें मौजूद एल सीट्रूलाइन नामक एक एमिनो एसिड आपकी थकान को दूर करता है।

हार्ट को रखे हेल्दी

अगर आप अपने हार्ट को हेल्दी रखना चाहते हैं तो भी आपको तरबूज के बीज कभी नहीं फेंकने चाहिए। इन बीजों में मोनोअनसेचुरेटेड और पॉली अनसेचुरेटेड फैटी एसिड पाए जाते हैं जिनके कारण दिल के दौरे और स्ट्रोक की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है। इसके अतिरिक्त इन बीजों से आपको पोटैशियम भी अच्छी मात्रा में प्राप्त होता है और यही पोटैशियम आपके दिल को स्वस्थ रखने में एक अहम भूमिका निभाता है।

वजन कम करने में सहायक

वहीं जो लोग अपना वजन कम करना चाहते हैं, उन्हें भी स्नैक के रूप में इसका सेवन करना चाहिए। दरअसल, इसमें कैलोरी काफी कम होती है, जिससे आपको वजन कम करने में मदद मिलती है। साथ ही इसमें सिट्रललाइन नामक कंपाउंड पाया जाता है, जिसके कारण बॉडी में पहले से स्टोर फैट को कम किया जा सकता है।

हंसना मना है

प्रोफेसर ने फिलॉसफी क्लास में पूछा...जीवन क्या है ? स्टूडेंट: मोबाइल से बचा हुआ समय...

एक पागल आईने में खुद को देख कर सोचने लगा.. यार इसको कहीं देखा है... काफी देर टेंशन में सोचते-सोचते... धत्त तेरी की ये तो वही है जो उस दिन मेरे साथ बाल कटवा रहा था...

दूल्हा वाले: बारात ठीक 8:00 बजे पहुंच जाएगी पर एक बात तो हम कहना ही भूल गए दुल्हन वाले: जी पता है बारातियों का स्वागत पान पराग से करना है ना? दूल्हा वाले: नहीं, रास्ते के सारे चालान आपको ही भरने हैं।

दो दोस्त आपस में बात करते हुए... रोहन: मैं सर्दियों में रोज नहाता हूं। सोहन: और मेरे यहां 10 दिन बाद को 'रोज' कहते हैं...

बब्लू: अरे यार स्कूल आना क्यों छोड़ दिया? डब्लू: मेरे डैडी कह रहे थे कि एक ही जगह बार बार जाने से इज्जत कम हो जाती है। पिता: स्कूल से तुम्हारी शिकायत आई है... बेटा: शिकायत कैसे आएगी, मैं तो 15 दिन से स्कूल गया ही नहीं...

सोहन: पत्नी को कॉल किया तो उधर से आवाज आई... मोहन: क्या? सोहन: आप जिसे फोन कर रहे हैं, वह आपकी पहुंच से बाहर है। मोहन: अच्छा...सोहन: वही...कमाल है...इनको भी ये बात मालूम है।

कहानी — पत्थर से उगाये हुए फूल

एक बार की बात है कि एक राज्य का राजा जो बहुत अच्छा राजा था। उसने कभी भी अपने पर घमंड नहीं किया। अपना राज पाठ बिल्कुल अच्छी तरह से चला रहा था। राजा की उम्र भी ज्यादा हो गई थी। राजा ने सोचा कि क्यों न अपने राज्य का कोई ईमानदार व बुद्धिमान व्यक्ति को उत्तराधिकारी बनाया जाये। जो मेरे मरने के बाद राज्य की देखभाल अच्छी तरह से कर सके। राजा ने राज्य का उत्तराधिकारी किसी नवयुवक किशोर को बनाने की योजना बनाई। राजा ने किसी ईमानदार व बुद्धिमान किशोर की खोजना शुरू किया मगर कोई नहीं मिला। राजा ने एक और योजना बनाई। राजा ने अपने राज्य के कुछ लोगो को बुलाया और उन्हें कुछ अलग-अलग तरह के फूलों के पौधों के बीजों को सभी को थोड़े थोड़े बाट दिये और बोला कि आपके पास दो महीने का समय है जो व्यक्ति इन बीजों से अच्छे फूल उगा कर लायेगा उसे ही राज्य का राजा बना दिया जायेगा। सभी थोड़े थोड़े बीज लेकर अपने घर चले गये सभी ने मेहनत की। रोज पानी देना। खाद्य देना। समय बीतता गया आखिर वो समय आ गया जब राजा ने सभी को अपने फूल दिखाने को बुलाया। सभी अपने फूल लेकर दरबार में आ गए। सब बारी बारी से अपने फूलों के गमले दिखाने लगे। सभी के अच्छे फूल थे। राजा ने सब की तारीफ की। आखिर में बस एक बच्चा बच गया जिसने अपना खाली गमला अपने हाथों में ले रखा था। बच्चा बड़ा ऊदास था। लेकिन आश्वास्त भी था कि उसने मेहनत तो बहुत की हैं अगर कुछ नहीं हुआ तो वो क्या कर सकता है। सभी लोग उस बच्चे पर हंसने लगे उसका मजाक उड़ाने लगे। वह बच्चा राजा के पास गया अपना खाली गमला दिखाया। राजा ने जैसे ही खाली गमला देखा। राजा की अपने राज्य के उत्तराधिकारी की तलाश पूरी हो गई। राजा ने उस बच्चे को अपने पास बुलाया और पूछा कि आपके गमले में फूल के पौधे क्यों नहीं उगे। बच्चे ने जवाब दिया कि मैंने मेहनत तो बहुत की लेकिन कोई भी फूल का पौधा नहीं उगा पाया। शायद मेरी मेहनत कुछ कम रह गयी हो। राजा ने उस बच्चे से कहा कि आपने बहुत अच्छी व ईमानदारी भरी मेहनत की है जो ये सब लोग नहीं कर सके। ये सभी बेईमान लोग हैं। क्योंकि मैंने जो बीज दिये थे वो सभी पत्थर के बने बीज थे। अब भला पत्थर के बीजों से कौन फूल उगा सकता है। सभी लोग एकदम चुप हो गये और अपने किये पर सर्मिन्दा होन लगे। राजा ने बच्चे की ईमानदारी व धैर्य के लिए उसे अपने राजा का अगला राजकुमार बना दिया।

सीख: हमें अपनी पूरी लग्न व ईमानदारी से अपना कार्य करना चाहिए। उसके प्रतिफल की हमे चिंता नहीं करनी चाहिए। क्योंकि जैसी आपने मेहनत की है वैसा आपको उसका फल जरूर मिलेगा।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज आपको अपनी सेहत के प्रति लापरवाही करना भारी पड़ सकता है। दरअसल, आज आपको मौसम से संबंधित बीमारी जैसे सर्दी जुकाम की समस्या हो सकती है।

वृषभ — आज आप शॉपिंग में काफी पैसा और समय खर्च करेंगे। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति पर भी असर पड़ेगा। आज आप अपने निजी जीवन को लेकर कुछ निराश हो सकते हैं।

मिथुन — आज का दिन आमदनी के मामले में काफी अच्छा रहने वाला है। आज आपको अच्छा खासा धन प्राप्त होगा। यदि आपने कहीं पैसा लगाया है तो उससे आपको अच्छा रिटर्न मिलने की उम्मीद है।

कर्क — आज अपने मन में किसी तरह को कोई संदेह नहीं रखना चाहिए क्योंकि, किसी भी प्रकार का संदेह आज आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। अपने दिमाग से पूरी तरह से निकाल दें।

सिंह — आज आपको कार्यों में सफलता मिलेगी। आप जिस भी काम के बारे में सोचेंगे वह सभी पूरे होंगे। अगर आपने जमीन-जायदाद से जुड़े किसी काम में हाथ डाला है तो उसमें भी सफलता आपके कदम चूमेगी।

कन्या — आज अपने अंदर आत्मविश्वास जगाने से आपको अपने रिश्ते में प्यार मिलेगा और कार्यों में सफलता हासिल होगी। इनकम को लेकर दिन सामान्य रहेगा, लेकिन खर्चे तेजी से बढ़ते हुए नजर आएंगे।

तुला — आज खुलकर अपनी लव लाइफ को जिएंगे और मन में प्रेम को लेकर उत्साह रहेगा। आज आपका साथी उन पलों का भरपूर आनंद उठाएगा। आज कामकाज के मामले में भी दिन आपके पक्ष में रहने वाला है।

वृश्चिक — आज का दिन रौनक लेकर आएगा। आप घर में कोई फंक्शन आदि के आयोजन पर चर्चा कर सकते हैं। इतना ही नहीं आज घर की शोभा बढ़ाने के लिए कुछ नया खरीद सकते हैं।

धनु — आज अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाने का प्लान बना सकते हैं। आज आपको अपने दोस्तों के साथ समय बिताने का अच्छा मौका मिलेगा। आप कोई सरकारी कामकाज करते हैं तो आपको लाभ हासिल होगा।

मकर — मकर राशि के जो लोग काफी भावुक हैं वह आज काफी मजबूत स्थिति में नजर आएंगे। आज घर परिवार में चल रही परिस्थितियों पर आपका पूरा कंट्रोल रहने वाला है। साथ ही आज घर में खुशहाली आएगी।

कुम्भ — कुंभ राशि के लोगों के लिए आज का दिन स्वास्थ्य के मामले में कमजोर रहेगा। मौसम के बदलाव से आप बीमार पड़ सकते हैं। सावधान रहें कार्य में रुकावट आने की संभावना अधिक रहेगी।

मीन — आज का दिन धन संबंधी मामलों में लाभ कराने वाला साबित होगा। आज आपको काम में भी सफलता हासिल होगी। प्यार मोहब्बत के मामले में आज का दिन बहुत ही अच्छा साबित होगा।

27 महिलाओं की मौत की गुत्थी सुलझाने निकलीं सोनाक्षी सिन्हा

सोनाक्षी सिन्हा अपनी आने वाली सीरीज दहाड़ को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस सीरीज के जरिए सोनाक्षी ओटीटी पर डेब्यू के लिए तैयार हैं। इस सीरीज का धांसू ट्रेलर रिलीज हो गया है। जिसमें सोनाक्षी स्पेशल कॉप बनकर अपनी दबंगई दिखाती नजर आ रही हैं। इसमें एक्ट्रेस पुलिस ऑफिसर की वर्दी पहने हुए दमदार किरदार में नजर आ रही हैं। उनकी पहली वेब सीरीज दहा? का ट्रेलर आपके रोंगटे ख? कर देगा। ट्रेलर की शुरूआत सोनाक्षी सिन्हा से होती है, जिसमें एक शख्स अपनी बहन की तस्वीर दिखाते हुए कहता है, कृष्णा मेरी बहन, जवाब में सोनाक्षी उसकी उम्र पूछती हैं। इसके बाद एक और शख्स आता है छह महीने से लापता अपनी बहन की शिकायत दर्ज कराने। इसके बाद अलग-अलग जगहों से सोनाक्षी के पास 27 मरी हुई लड़कियों की गुत्थी सुलझाने का केस आता है, जिनका केस एक जैसा है। इन लड़कियों की न तो शिकायत दर्ज है और न ही

ये सितारे आएंगे नजर

इन सभी क्राइम के खिलाफ एक महिला पुलिस ऑफिसर ख?ी है, जो उनकी मिसिंग ल?कियों को न्याय दिलाने के लिए ल? रही है। पुलिस के किरदार में सोनाक्षी सिन्हा खूब जंची हैं। इस वेब सीरीज को फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी का एक्सेल एंटरटेनमेंट और रीमा कागती और जोया अख्तर का प्रोडक्शन मिलकर प्रोड्यूस कर रहा है। रीमा कागती और रुचिका ओबेरॉय फिल्म के निर्देशन की कमान संभालते हुए नजर आएंगे। सोनाक्षी सिन्हा के अलावा इस फिल्म में डार्लिंग एक्टर विजय वर्मा, गुलशन देवैया भी अहम भूमिका में दिखाई देंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं अपने दम पर अपनी पहचान बनाना चाहती हूं : अलाया एफ

फिल्मी फैमिली से आने वाली अलाया एफ ने साल 2020 में अपने फिल्म करियर की शुरुआत की थी। अलाया के करियर की चौथी फिल्म जल्द सीधे ओटीटी पर रिलीज हुई है। हमसे खास बातचीत में अलाया ने कहा कि वह अपनी मेहनत के दम पर पहचान बनाना चाहती हैं, ताकि उन्हें नेपो किड का ताना ना सुनना पड़े। करियर की शुरुआत में मैं इन सब सवालों के जवाब दे चुकी हूं। अभी मुझे अच्छा काम करना है और दर्शकों को दिखाना है कि मैं जो भी करती हूं बहुत मेहनत से करती हूं। मुझे उम्मीद है कि मेरी मेहनत सबको दिखे और पसंद आए। जैसे कि अभी कोई आलिया भट्ट या रणबीर कपूर को देखकर यह नहीं कहता है कि वे नेपोटिज्म की वजह से सफल हैं। वे इसलिए कामयाब हैं, क्योंकि वे बहुत टैलेंटेड हैं और बहुत मेहनत करते हैं। मैं चाहती हूं कि एक दिन लोग मेरे बारे में भी ऐसा ही बोलें। मैं मेहनत के साथ काम करने में विश्वास रखती हूं। किसी भी फिल्म को लेकर सारे फैसले मैं और मेरी टीम लेती है। मैंने अपनी फैमिली को कभी इन चीजों में शामिल नहीं किया है। यहां तक कि मेरी फैमिली में से आज तक मेरे सेट पर कोई भी नहीं आया है। मैं अपने फैसले अपनी टीम के साथ मिलकर खुद लेती हूं। मैं बचपन से ही काफी इंडिपेंडेंट रही हूं। मेरे परिवार को कभी-कभी बुरा भी लगता है कि मुझे उनकी जरूरत अपने फैसलों में नहीं होती। वे भी चाहते हैं कि मैं उन्हें महसूस कराऊं कि मुझे उनकी जरूरत है। हमारे परिवार में मुझे लेकर यह आम जोक भी है। आमतौर पर एक घंटे में स्क्रिप्ट पढ़कर मुझे पता चल जाता है कि मुझे ये फिल्म करनी है या नहीं करनी है। मैं अपने दिल की बहुत सुनती हूं। अगर मुझे स्टोरी पसंद आए और मुझे यकीन हो कि मैं इसे अच्छे से परफॉर्म कर पाऊंगी, तो सबकुछ अच्छा ही होता है। दरअसल मुझे स्क्रिप्ट पर पूरा यकीन है।

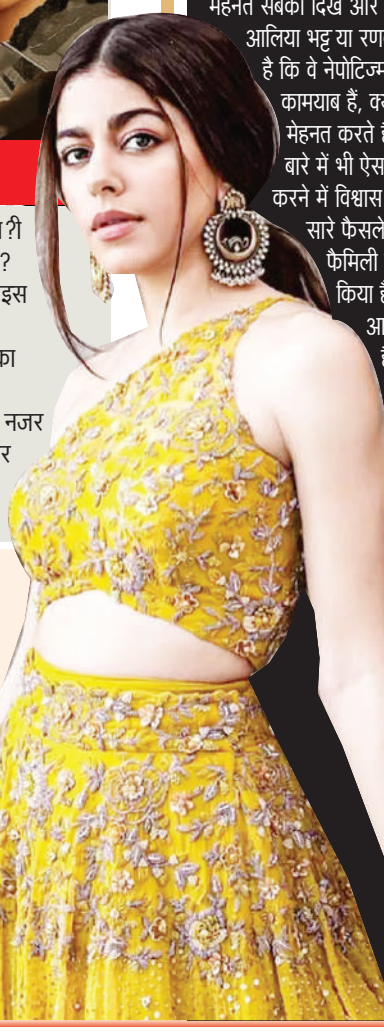

मेघाश्री के साथ इश्क फरमाएंगे कल्लू

भोजपुरी फिल्म मेकर निशांत उज्ज्वल सामाजिक और पारिवारिक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। फिल्म निर्माता इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्महम मेरे जीवन साथी को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार अरविंद अकेला कल्लू नजर आने वाले हैं। वहीं कल्लू के अपोजिट साउथ फिल्म इंडस्ट्री की एक्ट्रेस मेघाश्री नजर आने वाली हैं।

फिल्म की शूटिंग फिलहाल उत्तर प्रदेश के जौनपुर और वाराणसी में की जा रही है। फिल्म का डायरेक्टशन प्रेमांशु सिंह कर रहे हैं। फिल्म में भोजपुरी की क्वीन आम्रपाली दुबे भी एक गाने में नजर आने वाली हैं। फिल्म मेरे जीवन साथी को लेकर निशांत उज्ज्वल ने बताया कि उनकी यह फिल्म उनकी अन्य फिल्मों की तरह परिवार, संस्कार और मानवीय मूल्यों के इर्द गिर्द होने वाली है।

इस माता के चमत्कार से बसे तीन गांव! मंदिर में आने से दूर होते हैं मानसिक रोग

नागौर। नागौर के तीन ऐसे गांव जिनके बारे में कहा जाता है कि इन गांवों पर ब्राह्मणी माता का आशीर्वाद है। मान्यता है कि बूढ़ी, बसवाणी व चांतरा माजरा गांव जो वर्तमान में नागौर जिलें में स्थित हैं, ये सभी गांव ब्रह्माणी माता के कारण बसाए गए हैं। इस माता का मंदिर बूंढी गांव मे स्थित है, जहां आज से 800 वर्ष पूर्व ब्रह्माणी माता की प्रतिमा छोटी डूंगरी से प्रकट हुई थी। पुजारी नाथूराम ने बताया कि ब्राह्मणी माता भगवान शिव की उपासक थीं, इसीलिए मंदिर परिसर में शिवलिंग बना हुआ है। साथ ही उन्होंने बताया कि भेरुजी महाराज का मंदिर बना हुआ है। इसके बारे में मान्यता है कि इनको पशुओं की विघ्नहर्ता कहते हैं। जनश्रुतियों के अनुसार, ब्राह्मणी माता के बारे मे ऐसा कहा जाता है कि ब्राह्मणी माता ने बुढ़ी गांव में सबसे पहले वर्ष 1215 में जागीरदारन बहनरावको पर्चा (चमत्कार) दिया। ऐसा कहा जाता है कि इस पर्चे का रहस्य आज तक बना हुआ हैं। पुजारी नथूराम ने बताया कि यहां पर अनेक ऐसे श्रदालु आए जिनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी वे यहां से पूर्ण रूप से स्वस्थ होकर गए हैं। साथ ही इस मंदिर के बारे मे कहा जाता है कि यह तीनों गांवों का सबसे प्राचीन व चमत्कारी मंदिर है। पुजारी नथूराम के अनुसार, बूढ़ी, बसवाणी व चांतरा मंजरा गांव देवी के आशीर्वाद से बसे हैं। ब्राह्मणी माता के दिव्य चमत्कार से वर्ष 1222 में बुढ़ी गांव की स्थापना हुई। जिसकी बहनराव ने नींव रखी। साथ ही उन्होंने बताया कि वर्ष 1522 में पाला चौधरी ने माता के द्वारा दिए हुए पर्चे से प्रभावित होकर 1522 में बसवानी गांव को बचाया। साल 1601 में पिथाराम ने चांतरा मंजरा गांव माता जी के आशीर्वाद से बसाया। उन्होंने बताया कि आज भी माताजी गांव में आने वाले संकटों से रक्षा करती हैं। ब्राह्मणी माता के मंदिर के पास लगभग प्राचीन समय में माता जी के दिव्य चमत्कारी शक्ति से बावड़ी बनी जो वर्तमान में विलुप्त हो गई। वहीं पर 60 सीढ़ियों वाल कुआं विद्यमान है। जनश्रुतियों के अनुसार, ऐसा कहा जाता है कि ब्राह्मणी माता के आशीर्वाद से पास में तालाब बना हुआ है जो लगभग 12वीं सदी के आसपास बना था।

अजब-गजब | वित्तीय मंदी में प्यार का एहसास दिलाने के लिए किया गया प्रयोग

इस शहर में गाड़ी को रोकने के लिए नजर आता है लाल दिल

ट्रैफिक नियमों का पालन करना हर किसी के लिए बेहद जरूरी होती है। जैसे ही ट्रैफिक सिग्नल पर लाल लाइट नजर आती है, वैसे ही गाड़ियां रुक जाती हैं, फिर जैसे ही सिग्नल हरा दोता है, गाड़ियां चलने लगती हैं। रंगों का भेद और उनका अर्थ तो लगभग हर कोई जानता होगा। आप ये भी जानते होंगे कि अधिकतर शहरों में ट्रैफिक लाइट्स गोल आकार की होती हैं, पर क्या आपने कभी दिल के आकार की ट्रैफिक लाइट्स को देखा है? आज हम आपको एक शहर के बारे में बताने जा रहे हैं जहां दिल के आकार की ट्रैफिक लाइट्स दिखाई देती हैं।

एटलस ऑब्सक्योरा वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार आइसलैंड के शहर अकुरेरी में दिल के आकार की लाल ट्रैफिक लाइट्स होती हैं। आइसलैंड बेहद ठंडा देश है। सर्दी के मौसम में ये देश बर्फ के रेगिस्तान जैसा हो जाता है। यहां 6 महीने तक अंधेरा रहता है और -38 डिग्री सेल्सियस तक तापमान चला

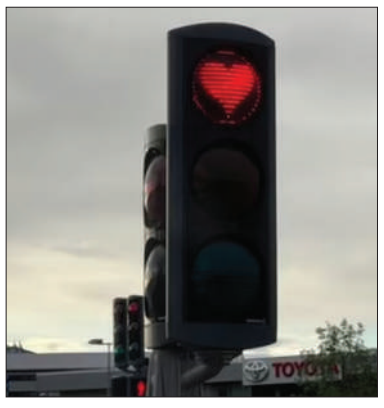

जाता है। इस वजह से अक्टूबर से लेकर अप्रैल तक ये देश पूरी तरह से कट जाता है। यहां की काफी आबादी ठंड से निपटने के लिए दूसरे देश छुट्टियां मनाने चली जाती है।

कई बार लोगों और देश की आर्थिक रूप से अस्थिरता इन छुट्टियों को मुमकिन नहीं कर पाती और लोगों को देश में समय गुजारना पड़ता है। आइसलैंड में फाइनैंशियल क्रैश साल 2008 में आया था। देश की आर्थिक अस्थिरता और खराब मौसम को ध्यान में रखते हुए अकुरेरी शहर के पूर्व मेयर और प्रशासन ने ये फैसला लिया कि जो लोग ठंड के दिनों में देश में रुक जाते हैं, बाहर नहीं जा पाते, उनके हौसलों को बुलंद किया जाए और उनके प्रति संवेदनशील रवैया अपनाया जाए। पूर्व मेयर ने साल 2013 में हफिंग्टन पोस्ट वेबसाइट से बात करते हुए कहा था कि वित्तीय मंदी के बाद नागरिकों को ये एहसास दिलाने के लिए कि जिंदगी में रुपये पैसे नहीं, प्यार मायने रखता है और ये बताने के लिए प्रशासन उनके साथ है, ट्रैफिक लाइट्स पर दिल का इस्तेमाल किया गया। जब लोग क्रॉसवॉक और चौराहों से गुजरें तो इस दिल को देखकर उनके चेहरे पर मुस्कान आ जाए, यही मकसद था। दिल सिर्फ रेड लाइट होने पर ही दिखता है। इसलिए जब गाड़ियों को रोकता होता है तब रेड सर्कल की जगह रेड हार्ट बनकर आता है।

नफरत फैलाने वालों पर सख्ती जरूरी : कमलनाथ

» सुप्रीम कोर्ट ने भी दिए हैं निर्देश, कार्रवाई हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात पर दमोह के जबेरा दौरे पर पहुंचे पीसीसी चीफ कमलनाथ ने कहा हमारे मेनिफेस्टो कमेटी की बैठक हुई है। यह तो सुप्रीम कोर्ट कह रही है, पूरा प्रदेश कह रहा है, जो नफरत फैलाए जो विवाद करवाएं, उसके ऊपर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। यह आज हमारी सामाजिक चिंता की बात है।

भाजपा द्वारा कमलनाथ को कपटनाथ कहने के सवाल पर कमलनाथ ने कहा कि मुझे कोई कुछ भी कहे मैं जो हूं, वही रहूंगा इसे न मैं बदल सकता हूं न कोई और मुझे भाजपा का नहीं जनता का सर्टिफिकेट चाहिए। बजरंग दल की गतिविधियों को लेकर उन्होंने कहा कि जो भी संगठन समाज में नफरत फैलाते हैं सुप्रीम कोर्ट भी उनके लिए कहता है कि उन पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

प्रदेश के चिकित्सकों की हड़ताल के बीच पूर्व सीएम व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा है कि आज मप्र हड़ताल प्रदेश बनकर रह गया है। मुझे भाजपा का नहीं जनता का सर्टिफिकेट चाहिए जनता जिसे मुहर लगाएगी वह विजेता होगा। उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया और उसके पहले पत्रकारों से चर्चा की। इसमें उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महिलाओं पर अपराध चरम पर पहुंच गया है। प्रदेश में शराब दुकानों में बढ़ोतरी पर उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और घर-घर शराब पहुंच रही है। मध्य प्रदेश सरकार शराब दुकानें कम करने की बात कर रही थी, लेकिन उन्होंने प्रदेश में तीन गुनी शराब दुकानें कर दी है। आज पूरे प्रदेश में महिलाओं पर अत्याचार चरम पर है। कमलनाथ ने कहा कि एक करोड़ युवा मध्य प्रदेश में बेरोजगार हैं। कोई रोजगार नहीं है और मजबूरी में उन्हें प्रदेश के बाहर रोजगार के लिए जाना पड़ रहा है।

बुंदेलखंड पहले भी पिछड़ा था और आज भी पिछड़ा हुआ है। इस मौके पर पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया, दमोह विधायक अजय टंडन, जबेरा के पूर्व विधायक प्रताप सिंह के साथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष रतनचंद जैन भी मौजूद रहे।

कांग्रेस की मति मारी गई : शिवराज

सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कर्नाटक कांग्रेस के घोषणा पत्र में बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात पर कहा कि वह बजरंग दल जो प्रखर राष्ट्रवादी संगठन है। वह बजरंग दल जो आतंकवाद का विरोध करता है, लव जिहाद का विरोध करता है। सामाजिक सेवा सहित देश भक्ति के भाव, अपनी धर्म और संस्कृति के प्रति स्वाभिमान और जागरण का भाव पैदा करता है उसकी तुलना पीएफआई से, आतंकवादी संगठन से। ये वही कांग्रेस है जो भगवान राम के मंदिर निर्माण का विरोध करती थी।

कमलनाथ स्थिति स्पष्ट करें : नरोत्तम मिश्रा

भोपाल। कर्नाटक कांग्रेस के घोषणा पत्र में बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात को लेकर मध्यप्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने नाराजगी व्यक्त की और मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ को पत्र लिखकर जवाब मांगा है। कमलनाथ जी, मैंने आपके कई वीडियो और चित्र देखे हैं, जिनमें भगवान बजरंगबली के प्रति आपकी भक्ति साधना प्रदर्शित की गई है। बजरंगबली के प्रति आपकी श्रद्धा-भक्ति समय-समय पर कई बार मीडिया के माध्यम से भी देखी और सुनी गई है। ऐसे में कोई भी बजरंग भक्त ऐसा नहीं होगा, जो कर्नाटक में कांग्रेस के द्वारा बजरंग दल पर प्रतिबंध के वादे से आहत न हुआ हो। आपकी पार्टी के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह जी भी कर्नाटक घोषणा पत्र के इस बिंदु से सहमत हैं और वह पूर्व में मुख्यमंत्री रहते समय अपने कार्यकाल में बजरंग दल पर लगाए गए प्रतिबंध की बात को दोहरा रहे हैं।

एक हफ्ते और भिगोएगी बारिश फिर चढ़ेगा मौसम का तापमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने कहा है कि अभी शुक्रवार को एक और पश्चिमी विक्षोभ आ रहा है, लेकिन यह इतना प्रभावी नहीं होगा। इससे रविवार तक कहीं-कहीं हल्की बारिश होती रहेगी। गुरुवार को भी कुछ इलाकों में हल्की बारिश का अनुमान है। अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री रहेगा।

रविवार तक तापमान 32-33 डिग्री के बीच और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री तक रहेगा। उसके बाद तापमान में बढ़ोतरी होनी शुरू होगी। उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों से लेकर पहाड़ों में मौसम रोज नए रंग दिखा रहा है। कभी बारिश होती है कभी पहाड़ों में बर्फ बारी शुरू हो जाती है। मई के महीने में पारा 41 डिग्री से ऊपर ही रहता है लेकिन अभी ना तो गरमी है, एसी बंद हैं, और ठंडी हवाओं व गिरे पारे के कारण चादर ओढ़ कर सोना पड़ रहा है।

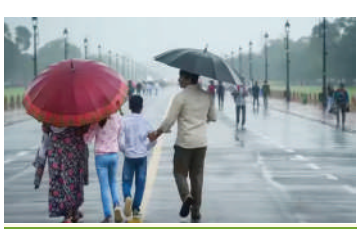

दिल्ली में तीन दिन में हुई पूरे महीने की बरसात

दिल्ली में मई के तीन दिन में हुई बारिश ने पूरे महीने के कोटे को पूरा कर दिया है। मई में अमूमन 30.7 मिमी बारिश होती है, लेकिन अब तक (तीन दिन में ही) 35.7 मिमी बारिश हो चुकी है। एक मई को औसतन 14.8 मिमी बारिश हुई थी, जबकि बुधवार को शाम साढ़े पांच बजे तक 20.9 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश का कोई रिकॉर्ड बनेगा या नहीं इसका पता गुरुवार तक ही चलेगा क्योंकि अभी बारिश जारी है। वहीं बारिश के कारण तापमान में भी गिरावट हो रही है। अधिकतम तापमान सामान्य से नौ डिग्री कम दर्ज किया गया।

गो फर्स्ट लौटाए हवाई यात्रियों का पैसा : डीजीसीए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एविएशन क्षेत्र के रेग्युलेटर डीजीसीए ने गो फर्स्ट को उड़ानें रद्द होने के बाद जल्द से जल्द यात्रियों का पैसा रिफंड करने का आदेश दिया है। डीजीसीए ने कहा कि उसने कारण बताओ नोटिस पर गो फर्स्ट के जवाब का अध्ययन किया है और मौजूदा रेग्युलेशन के तहत यात्रियों का रिफंड प्रोसेस करने के आदेश दिए हैं।

ज्ञात हो कि गो फर्स्ट द्वारा दिवालिया घोषित करने के लिए आवेदन देने के बाद एक बार फिर से देश में बुरे दौर से गुजर रहे एविएशन सेक्टर पर सवाल उठने लगे हैं। गो फर्स्ट ने खुद ही एसीएलटी में वॉलंटरी इनसॉल्वेंसी प्रॉसीडिंग के लिए आवेदन दिया है। अगर गो फर्स्ट को मिला लें तो अभी तक देश में तीन एयरलाइन दिवालिया हो चुकी है।

डीएमके नेता कनिमोझी को सुप्रीम कोर्ट से राहत

सांसदी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। डीएमके नेता और लोकसभा सांसद कनिमोझी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु की तूतीकोरिन सीट से उनके निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। ये याचिका मद्रास हाईकोर्ट में दायर की गई थी। कनिमोझी ने मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनके खिलाफ चुनाव याचिकाओं को रद्द करने से इनकार किया गया था।

जस्टिस अजय रस्तोगी और बेला त्रिवेदी की पीठ ने कनिमोझी द्वारा हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर अपील को स्वीकार कर लिया। बता दें कि कनिमोझी के निर्वाचन के खिलाफ मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। याचिकाकर्ता ने उनका निर्वाचन रद्द करने की मांग की थी।दरअसल, एक मतदाता ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता की शिकायत थी कि कनिमोझी ने अपने हलफनामे में अपने पति के पैन विवरण का उल्लेख नहीं किया है। इस पर डीएमके नेता के वकील ने तर्क दिया कि उनके पति एक विदेशी नागरिक थे और उनके पास ऐसा कोई कार्ड या भारत में कोई आय गतिविधि नहीं थी।

याचिकाकर्ता ने दिया गलत तर्क : कनिमोझी

कनिमोझी ने बताया था कि हाईकोर्ट में याचिका इस आधार पर दाखिल की गई है कि उन्होंने नामांकन में पति का पैन नंबर नहीं लिखा है, जबकि पति सिंगापुर के हैं। कनिमोझी ने कहा था कि इस वजह से उनके पति के पास पैन नहीं है। याचिकाकर्ता का तर्क गलत है।

मुंबई इंडियन ने बनाया ऐतिहासिक रिकॉर्ड

» 200 से ज्यादा रन के लक्ष्य हासिल करने में नंबर-1, पंजाब को 6 विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2023 के 46वें मैच में पंजाब किंग्स को 7 गेंदें शेष रहते 6 विकेट से मात दी। इस जीत के साथ ही मुंबई इंडियंस ने आईपीएल में इतिहास रच दिया। मुंबई इंडियंस मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में 200 से ज्यादा रन के लक्ष्य का सफल पीछा करने वाली पहली टीम बन गई है।

बता दें कि पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करके निर्धारित 20 ओवर में तीन विकेट खोकर 214 रन बनाए। जवाब में मुंबई इंडियंस ने 18.5 ओवर में चार विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। वैसे, मुंबई इंडियंस ने तीन दिन के भीतर दो बार बड़ा कारनामा किया है। मुंबई इंडियंस ने इससे पहले रविवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पर राजस्थान रॉयल्स को तीन गेंदें शेष रहते हुए 6 विकेट से मात दी थी। तब मुंबई इंडियंस वानखेड़े स्टेडियम पर 200 से ज्यादा रन के लक्ष्य का सफल पीछा करने वाली पहली टीम बनी थी। वैसे, मुंबई इंडियंस ने आईपीएल इतिहास में संयुक्त रूप से तीसरे सबसे बड़े लक्ष्य का सफल पीछा किया। आईपीएल में सबसे बड़े लक्ष्य का सफल पीछा करने का रिकॉर्ड राजस्थान रॉयल्स के नाम दर्ज है। राजस्थान रॉयल्स ने 2020 में पंजाब किंग्स के खिलाफ 224 रन के लक्ष्य को हासिल किया था। इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर मुंबई इंडियंस काबिज है, जिसने 2021 में चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 219 रन के लक्ष्य को हासिल किया था।

मुंबई अब इन टीमों के बराबर

मुंबई इंडियंस ने इस मैच में विशाल लक्ष्य हासिल करके एक और उपलब्धि अपने नाम जोड़ ली है। मुंबई इंडियंस एकआईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा बार 200 रन से ज्यादा के लक्ष्य का सफल पीछा करने वाली तीसरी टीम बन गई है। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2023 में दो बार 200 से ज्यादा रन के लक्ष्य का सफल पीछा किया। इस तरह उसने चेन्नई सुपरकिंग्स (2018) और पंजाब किंग्स (2014) की बराबरी की। चेन्नई और पंजाब ने भी एक आईपीएल सीजन में दो बार 200 या ज्यादा रन के लक्ष्य का सफल पीछा किया था।

ठग शेरपुरिया की डायरी खोलेगी राज

» पुलिस ने लगाई बरामदगी के लिए सीजेएम कोर्ट में रिमांड अर्जी

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। कुख्यात ठग संजय शेरपुरिया की डायरी उत्तर प्रदेश ही नहीं, देश के कई बड़े नेताओं को बेनकाब करने वाली है। इसमें इन नेताओं के साथ किए लेन देन का पूरा ब्यौरा है। यह डायरी फिलहाल उसके अहमदाबाद स्थित ससुराल में रखी है। पुलिस की पूछताछ में यह खुलासा खुद संजय शेरपुरिया ने किया है। लखनऊ पुलिस ने इस डायरी को बरामद करने के लिए लखनऊ की सीजेएम कोर्ट में रिमांड अर्जी लगाई है। कोर्ट की अनुमति मिलती है तो पुलिस शेरपुरिया को लेकर अहमदाबाद जाएगी।

पुलिस ने कोर्ट में लगाई अपनी अर्जी में बताया है कि संजय शेरपुरिया ने अपने सभी करीबियों को अलग अलग कोड नेम दे रखा है। प्रत्येक कोड के साथ किए लेनदेन का ब्यौरा भी है। इसमें नेताओं के लिए अलग कोड हैं तो अफ़सरों के लिए अलग कोड दिए गए हैं। वहीं कारोबारियों के लिए संजय शेरपुरिया ने अलग तरह का कोड दिया है। उसने पुलिस की पूछताछ में बताया कि इन सभी लोगों के काम करने के एवज में जो लेनदेन किया गया है, उसे भी कोड वर्ड में ही दर्ज किया गया है।

बड़े-बड़े नेताओं और अधिकारियों के नाम से हटेगा पर्दा

कस्टडी रिमांड की मांग करते हुए लखनऊ पुलिस ने दावा किया है कि ये डायरी बड़े बड़े राज खोल सकती है। इस डायरी से गुजरात और दिल्ली से लेकर यूपी तक के बड़े बड़े नेताओं और अधिकारियों के नाम से पर्दा हट सकता है। पुलिस ने बताया कि इस ठग के कई मददगार अफसर अब रिटायर हो चुके हैं। जबकि काफी संख्या में ऐसे भी अफसर हैं जो अलग अलग स्थानों पर सर्विस में हैं। पुलिस के मुताबिक संजय शेरपुरिया ने अपने ठगी का नेटवर्क कई राज्यों में फैला रखा था। पुलिस ने अपनी अर्जी में डायरी के बारे में जानकारी देते हुए कहा है कि यह डायरी इस तरह से बनाई गई है कि किसी और के हाथ लग भी जाये तो उसे कुछ समझ नहीं आएगा। संजय की पत्नी कंचन राय को भी इस डायरी की जानकारी है, लेकिन उसे भी इन सभी कोड वर्ड की कोई जानकारी नहीं है। पूछताछ में संजय ने बताया है कि सिर्फ वही इसे डिकोड कर सकता है। संजय शेरपुरिया से फिलहाल उत्तर प्रदेश पुलिस की एसटीएफ पूछताछ कर रही है।

गुजरात कैडर के रिटायर अफसर का भी जिक्र

एसटीएफ ने इस पूछताछ के आधार पर कई खुलासे भी किए हैं। इसमें यह डायरी का मामला सबसे अहम है। इस डायरी में सर्वाधिक चर्चा गुजरात कैडर के एक रिटायर अफ़सर के अलावा गुजरात कैडर के ही दो रिटायर अधिकारी की भी है। इसी प्रकार यूपी कैडर के दो कुछ अफ़सरों के नाम भी इस डायरी में हैं। इनमें से एक संजय शेरपुरिया के लिए उसके यूपी दौरे पर उसे सरकारी गनर का इंतजाम करवाते थे। ये सभी अधिकारी अब रिटायर हो चुके हैं। संजय शेरपुरिया की डायरी में ईडी के भी दो अफ़सरों का कई बार जिक्र है। इनमें से एक अफसर अब ईडी में कार्यरत नहीं हैं। इसी प्रकार दिल्ली से एक बीजेपी सांसद के अलावा यूपी के तीन और बिहार के दो बीजेपी नेताओं की चर्चा डायरी में बार बार की गई है। इस खुलासे के बाद पुलिस अब पता करना चाहती है कि संजय शेरपुरिया ने किस किसको धोखा दिया है। इसके अलावा इसके मददगार अफसरों व नेताओं के नाम भी सामने लाना है।

आम से लेकर खास ने डाले वोट, बूथों पर उमड़ी भीड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के नगर निकाय चुनाव में आम से लकर खास लोगों ने वोट डाला। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व सीएम मायावती, डिप्टी सीएम द्वय, भाजपा अध्यक्ष व सपा, कांग्रेस के दिग्गज लोगों ने अपने-अपने क्षेत्रों में मतदान किया।

मणिपुर हिंसा: बुलाई गई सेना

आदिवासी आंदोलन के दौरान भड़की हिंसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मणिपुर। मणिपुर में आदिवासी आंदोलन के दौरान कई जिलों में हिंसा भड़क गई है। कई जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया। साथ ही इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई है। हालात को काबू में करने के लिए सेना की मदद ली जा रही है। कई इलाकों में सेना के जवानों को तैनात किया गया है। भारतीय सेना ने इसकी जानकारी दी है। सेना की तरफ से जारी एक बयान में बताया गया कि मणिपुर में प्रशासन के अनुरोध पर कार्रवाई करते हुए तीन मई की शाम से सभी प्रभावित इलाकों में सेना और असम राइफल्स की तैनाती कर दी गई है। हिंसा प्रभावित इलाकों से लोगों को सुरक्षित निकाला जा रहा है। कानून-व्यवस्था बहाल करने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं।

आठ जिलों में बंद की गई इंटरनेट सेवा

राज्य सरकार ने बताया कि कई जिलों में पहले ही कर्फ्यू लगा दिया गया है। साथ ही अगले पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं भी बंद हैं। इंफाल पश्चिम, काकचिंग, थौबल, जिरिबाम, बिष्णुपुर, चुराचांदपुर, कांगपोकपी और तेंगनौपाल जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। आदेश में बताया गया कि राज्य में ब्रॉडबैंड सेवाएं चालू हैं।

किश्तवाड़ में सेना का हेलीकॉप्टर क्रैश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के दूर दराज इलाके मड़वा के मचना जंगलों में सेना का हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ है, जिसमें दो लोग घायल हुए हैं, जो हेलीकॉप्टर दुर्घनाग्रस्त हुआ है वो सेना का ध्रुव हेलीकॉप्टर है। सेना के अधिकारी के मुताबिक इस दुर्घटना में पायलटों को चोटें आई हैं, लेकिन वे सुरक्षित हैं, सेना के अधिकारी ने कहा, ज्यादा जानकारी का अभी इंतजार किया जा रहा है।

इससे पहले भी हवा में उड़ते हुए इन ताबूतों ने देश के वीर जवानों और अफसरों के प्राण लीले हैं। अरुणाचल प्रदेश में मंडला पहाड़ी क्षेत्र के पास भारतीय सेना के एक एविएशन चीता हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसके दो पायलट की मौत हो गई थी। इससे पहले दिसंबर 2021 में आई ऐसी तकनीकि खराबी के बाद पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत, पत्नी और स्टॉफ के साथ खोना पड़ गया था।

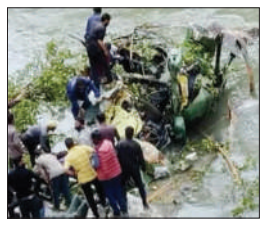

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।